जाता है । जब तक कोई नया विश्व कैलेण्डर सामान्यतः स्वीकार और लागू नहीं किया जाता तब तक शासकीय प्रयोजनों के लिए अन्य देशों में प्रचलित ग्रिगोरियन कैलेण्डर का प्रयोग जारी रखना आवश्यक है ताकि भ्रांति उत्पन्न न हो ।

Fire in a Chemicals Godown in Delhi

1760. SHRI RAM AWADHESH SINGH:

SHRI J. P. GOYAL:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whehter it is a fact that recently some persons died following a devastating fire in a godown stocking unauthorised chemicals situated in the congested locality of Khari Baoli, Delhi;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government have made any inquiry into the unauthorised stocks of chemicals in the congested locality and also to know if hazardous substances are stocked in other buildings endangering the lives of the people; if so, what is the outcome thereof; and

(d) what is the machinery to check unauthorised stocking of hazardous chemicals in congested localities and whether any responsibilty for laxitly in the enforcement of the rules has been fixed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) and (b) In this incident of fire on 23-6-87, in the premises located in Khari Baoli, 4 persons lost their lives.

(c) and (d) A case under section 285/336/346/304-A IPC has been registered at the Police Station Lahori Gate.

The Lt. Governor, Delhi has also ordered an administrative review, to be conducted by the Commissioner, Municipal Corporation of Delhi into the fire incident and other related matters and suggest remedial measures.

"मानक आशुलिपिक" नामक पुस्तक की अनुपलब्धता

1761. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मानक आशुलिपिक नामक पुस्तक सरकारी प्रकाशन केन्द्रों पर और खुले बाजार में भी पिछले कई महीनों से उपलब्ध नहीं हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि निजी प्रकाशक इस पुस्तक को अत्यधिक कीमत पर बेच रहे हैं ;

(ग) क्या सरकार शीघ्र ही कुछ ऐसे प्रभावी उपाय करने का विचार रखती है जिससे कि मानक आशुलिपिक नामक पुस्तक हिन्दी आशुलिपि के विद्यार्थियों को सरकारी प्रकाशन केन्द्रों पर और खुले बाजार में उपलब्ध हो सके ; और

(घ) यदि हां, तो ऐसा कब तक किया जायेगा और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्तामणि पाणिग्रही) : (क) प्राप्त सूचना के अनुसार "मानक आशुलिपि" नामक पुस्तक की कुछ प्रतियां भारत सरकार के प्रकाशन विभाग, सिविल लाईन्स, दिल्ली में उपलब्ध है । यह सच है कि इस पुस्तक की प्रतियां प्रकाशन विभाग के अन्य बिक्री केन्द्रों पर और खुले बाजार में उपलब्ध नहीं हैं ।

(ख) इस संबंध में इस विभाग को कोई शिकायत नहीं मिली है ।

(ग) और (घ) मानक आशुलिपि की पुस्तक हिन्दी शिक्षण योजना के अन्तर्गत हिन्दी आशुलिपि के प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण के लिए निर्धारित की गई है ।